मॉडल प्रश्न-पत्र (दोहराने के लिए)

ऐम० बी० डी० मॉडल प्रश्न-पत्र 1

कक्षा—बारहवीं

विषय—हिंदी (कोर)

निर्धारित समय : तीन घंटे | अधिकतम अंक : 80

खंड—'क'

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए—

ज़िंदगी को ठीक से जीना हमेशा ही जोखिम झेलना है और जो आदमी सकुशल जीने के लिए जोखिम का हर जगह पर एक घेरा डालता है, वह अंततः अपने ही घेरों के बीच कैद हो जाता है और ज़िंदगी का कोई मज़ा उसे नहीं मिल पाता, क्योंकि जोखिम से बचने की कोशिश में, असल में, उसने ज़िंदगी को ही आने से रोक रखा है। ज़िंदगी से, अंत में, हम उतना ही पाते हैं जितनी कि उसमें पूँजी लगाते हैं। यह पूँजी लगाना ज़िंदगी के संकटों का सामना करना है, उसके उस पन्ने को उलट कर पढ़ना है जिसके सभी अक्षर फूलों से नहीं, कुछ अंगारों से भी लिखे गए हैं। ज़िंदगी का भेद कुछ उसे ही मालूम है जो यह जानकर चलता है कि ज़िंदगी कभी भी खत्म न होने वाली चीज़ है।

अरे! ओ जीवन के साधको! अगर किनारे की मरी हुई सीपियों से ही तुम्हें संतोष हो जाए तो समुद्र के अंतराल में छिपे हुए मौक्तिक-कोष को कौन बाहर लाएगा? कामना का अंचल छोटा मत करो, ज़िंदगी के फल को दोनों हाथों से दबाकर निचोड़ो, रस की निर्झरी तुम्हारे बहाए ही बह सकती है।

(क) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

(ख) गद्यांश में जीवन के साधकों को क्या चुनौती दी गई है? स्पष्ट कीजिए। 1

(ग) 'ज़िंदगी के सभी अक्षर फूलों से नहीं, कुछ अंगारों से भी लिखे गए हैं।' लेखक ने ऐसा क्यों कहा है? 2

(घ) गद्यांश के अनुसार ज़िंदगी का भेद किसे मालूम है और कैसे? 2

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश में ज़िंदगी को ठीक ढंग से जीने के क्या उपाय बताए गए हैं? किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए। 2

(च) 'सकुशल', 'मौक्तिक' में से उपसर्ग और प्रत्यय छाँटकर लिखिए। 2

(छ) 'ज़िंदगी', 'किनारा' के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। 2

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 1 × 4 = 4

जब धूप हो जाती है तेज़
आसमान से बरसने लगती हैं
चिंगारियाँ
मानवीय चेहरों पर नज़र आता है
व्याकुलता का धाम
पेड़ खड़ा रहता है मदमस्त
एक खिलखिलाती हँसी के
साथ।

फेयरनेस क्रीम से भी नर्म है
उसकी पत्तियाँ
शांति और शीतलता का अर्थ है
उनमें
हवाएँ भी मलकर हो जाती हैं
उत्फुल्ल
एक मोमी अहसास है
उसकी हथेली पर।

Model Practice Paper.indd 1 4/27/2018 5:52:23 PM

हर मौसम में
अपने हिस्से में आए कष्ट को
झेल लेता है वह आसानी से
सहना जानता है
झुक जाता है
एक बच्चे के झुकाने पर भी
उसकी देह में
एक आर्द्र लचक है।

हरियाली के रंग
अधकच्चे, पक्के हों
तो भी क्या?
पतझड़ आया था जीवन में कभी
उसे याद नहीं
उसे वर्तमान में जाने की आदत है।
जैसे इस धूप में
उसके चेहरे पर मुसकुराहट है।

(क) तेज़ धूप होने पर क्या होता है?
(ख) तेज़ धूप में वृक्ष की क्या दशा होती है और क्यों?
(ग) वृक्ष की पत्तियों की क्या विशेषता है?
(घ) वृक्ष क्या सहना जानता है और कैसे?

खंड—'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए— 5

(*i*) दैव दैव आलसी पुकारा
(*ii*) अधजल गगरी छलकत जाय
(*iii*) जहाँ चाह वहाँ राह
(*iv*) परिश्रम सफलता की कुंजी है

4. भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय को दसवीं में वैकल्पिक परीक्षा पर रोक लगाने के लिए सुझाव देते हुए पत्र लिखिए। 5

अथवा

अपने विद्यालय के प्राचार्य को कारण बताते हुए छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए प्रार्थना-पत्र लिखिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए— 1 × 4 = 4

(क) भारत में इंटरनेट पर उपलब्ध हिंदी का वह कौन-सा समाचार-पत्र है, जो प्रिंट रूप में नहीं है?
(ख) रेडियो में क्या सुविधा नहीं है?
(ग) 'बीट' किसे कहते हैं?
(घ) समाचार-पत्र में साक्षात्कार का क्या महत्व है?

6. देश में बढ़ती हुई विघटनकारी शक्तियों पर चिंता व्यक्त करते हुए आलेख लिखिए। 3

अथवा

'अग्नि की उड़ान' पुस्तक की समीक्षा लिखिए।

7. 'चुनाव का दिन' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख तैयार कीजिए। 3

खंड—'ग'

8. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक काव्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2 × 3 = 6

(क) किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी, भाट,
चाकर, चपल नट, चोर, चार, चेटकी।
पेटको पढ़त, गुन गढ़त, चढ़त गिरि,
अटत गहन-गन अहन अखेटकी॥

ऊँचे-नीचे करम, धरम-अधरम करि,
पेट ही को पचत, बेचत-बेटा-बेटकी।

(i) **कलयुग की क्या दशा है?**

(ii) **पेट पालने के लिए लोग क्या कर रहे हैं?**

(iii) **अखेटकी कौन होता है और वह क्या कर रहा है?**

(ख) छतों के खतरनाक किनारों तक—
उस समय गिरने से बचाता है उन्हें
सिर्फ़ उनके ही रोमांचित शरीर का संगीत
पतंगों की धड़कती ऊँचाइयाँ उन्हें थाम लेती हैं महज़ एक धागे के सहारे
पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं
अपने रंध्रों के सहारे।

(*i*) **वे गिरने से कैसे बचते हैं?**

(*ii*) **'पतंगों के साथ-साथ उड़ने' से क्या तात्पर्य है?**

(*iii*) **'रोमांचित शरीर का संगीत' क्या होता है?**

9. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 2 × 2 = 4

(क) सोचिए
बताइए
आपको अपाहिज होकर कैसा लगता है
कैसा
यानी कैसा लगता है
(हम खुद इशारे से बताएँगे कि क्या ऐसा?)

(*i*) **इन पंक्तियों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।**

(*ii*) **इन पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए।**

(ख) आखिरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था
ज़ोर ज़बरदस्ती से
बात की चूड़ी मर गई
और वह भाषा में बेकार घूमने लगी!
हारकर मैंने उसे कील की तरह
उसी जगह ठोंक दिया।
ऊपर से ठीक-ठाक
पर अंदर से
न तो उसमें कसाव था
न ताकत!

(*i*) **रचनाकार के सामने काव्य और माध्यम की क्या समस्या थी?**

(*ii*) **भाव स्पष्ट कीजिए—'ज़ोर जबरदस्ती से / बात की चूड़ी मर गई।'**

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 3 × 2 = 6

(क) कवि ने 'आत्म-परिचय' कविता में 'शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ' क्यों कहा है?

(ख) 'कविता के बहाने' कविता में कवि ने कविता और बच्चे को समानांतर क्यों रखा है?

(ग) 'सहर्ष स्वीकारा है' कविता में कवि ने यह क्यों कहा है कि 'बहलाती सहलाती आत्मीयता बरदाश्त नहीं होती?'

11. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक पर गद्यांश आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2 × 3 = 6

(क) प्लेटफार्म पर उसके बहुत-से दोस्त, भाई रिश्तेदार थे, हसरत-भरी नज़रों, बहते हुए आँसुओं, ठंडी साँसों और भिंचे हुए होंठों के बीच में से काटती हुई रेल सरहद की तरफ़ बढ़ी। अटारी में पाकिस्तानी पुलिस उतरी, हिंदुस्तानी पुलिस सवार हुई। कुछ समझ में नहीं आता था कि कहाँ से लाहौर खत्म हुआ और किस जगह से अमृतसर शुरू हो गया। एक ज़मीन थी, एक ज़बान थी, एक-सी सूरतें और लिबास, एक-सा लबोलहजा और अंदाज़ थे, गालियाँ भी एक ही-सी थीं जिनसे दोनों बड़े प्यार से एक-दूसरे को नवाज़ रहे थे। बस मुश्किल सिर्फ इतनी थी कि भरी हुई बंदूकें दोनों के हाथों में थीं।

(*i*) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(*ii*) प्लेटफार्म के दृश्य का वर्णन कीजिए।

(*iii*) क्यों समझ नहीं आता कि लाहौर और अमृतसर की सीमाएँ क्या हैं?

(ख) वसंत के आगमन के समय जब सारी वनस्थली पुष्प-पत्र से मर्मरित होती रहती है, शिरीष के पुराने फल बुरी तरह खड़खड़ाते रहते हैं। मुझे इनको देखकर उन नेताओं की बात याद आती है, जो किसी प्रकार ज़माने का रुख नहीं पहचानते और जब तक नई पौध के लोग उन्हें धक्का मारकर निकाल नहीं देते तब तक जमे रहते हैं।

(*i*) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(*ii*) वसंत के आगमन पर प्रकृति का रूप कैसा हो जाता है?

(*iii*) लेखक को किन्हें देखकर किनकी याद आती है और क्यों?

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 3 + 3 + 3 + 1 = 10

(क) भक्तिन अपना वास्तविक नाम क्यों छिपाती है?

(ख) 'काले मेघा पानी दे' पाठ का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

(ग) लुट्टन पहलवान की ढोलक की आवाज़ का पूरे गाँव पर क्या प्रभाव पड़ता था?

(घ) चार्ली के जीवन-संघर्ष पर प्रकाश डालिए।

13. सिंधु सभ्यता साधन-संपन्न होते हुए भी आडंबर-रहित कैसे थी? विश्लेषण करते हुए अपने विचार लिखिए। 4

अथवा

ऐन की डायरी से व्यक्त उसके निजी सुख-दुःखों और भावात्मक उथल-पुथलों का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 4 × 2 = 8

(क) ऐन ने अपनी डायरी अपनी गुड़िया को संबोधित करके क्यों लिखी है?

(ख) सिंधु सभ्यता के सौंदर्य-बोध पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'जूझ' पाठ में पढ़ाई-लिखाई के संबंध में किसका रवैया सही था और क्यों?

ऐम० बी० डी० मॉडल प्रश्न-पत्र 2

कक्षा—बारहवीं

विषय—हिंदी (कोर)

निर्धारित समय : तीन घंटे **अधिकतम अंक : 80**

खंड—'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

हिंदी अपना भविष्य किसी से दान में नहीं चाहती। वह तो उसकी गति का स्वाभाविक परिणाम होना चाहिए। राजा राममोहन राय से महात्मा गांधी तक प्रत्येक सुधारक, साहित्यकार, धर्म-संस्थापक, साधक और चिंतक हिंदी के जिस उत्तरदायित्व की ओर संकेत करता आ रहा है, उसे नतशिर स्वीकार कर लेने पर ही हिंदी लक्ष्य तक नहीं पहुँच जाएगी, क्योंकि स्वीकृति मात्र न गति है, न गंतव्य। वस्तुतः संपूर्ण भारत संघ को एकता के सूत्र में बाँधने के लिए उसे दोहरे संबल की आवश्यकता है। एक तो आंतरिक, जो मन के द्वारों को उन्मुक्त कर सके और दूसरा बाह्य, जो आकार को सबल और परिचित बना सके। अन्य प्रदेशों के लोकहृदय के लिए तो वह अपरिचित नहीं है, क्योंकि दीर्घकाल से संत-साधकों की मर्मबानी बनकर ही नहीं, हाट-बाज़ार की व्यवहार बोली के रूप में भी देश का कोना घूम चुकी है।

स्वतंत्रता ने हमें राजनीतिक मुक्ति देकर भी न मानसिक मुक्ति दी है और न हमारी दृष्टि को नया क्षितिज। हमारा शासन-तंत्र और उसके संचालक भी उसके अपवाद नहीं हो सकते, परंतु हमारे पथ की सबसे बड़ी बाधा यह है कि हमारी स्वतंत्र कार्य-क्षमता राज्यमुखापेक्षी होती जा रही है। पर अंधकार आलोक का त्योहार भी तो होता है। दीपक की लौ के हृदय में बैठ सके ऐसा कोई बाण अँधेरे के तूणीर में नहीं होता है। यदि हमारी आत्मा में विश्वास की निष्कपट लौ है, तो मार्ग उज्ज्वल रहेगा ही। भाषा को सीखना उसके साहित्य को जानना है, और साहित्य को जानना मानव-एकता की स्वानुभूति है। हम जब साहित्य के स्वर में बोलते हैं, तब वे स्वर दुस्तर समुद्रों पर सेतु बाँधकर, दुर्लंघ्य पर्वतों को राजपथ बनाकर मनुष्य की सुख-दुःख की कथा मनुष्य तक अनायास पहुँचा देते हैं। अस्त्रों की छाया में चलने वाले अभियान निष्फल हुए हैं, चक्रवर्तियों के राजनीतिक स्वप्न टूटे हैं, पर मानव-एकता के पथ पर खड़ा कोई चरण-चिह्न अब तक नहीं मिटा है। मनुष्य को मनुष्य के निकट लाने का कोई स्वप्न अब तक भंग नहीं हुआ है। भारत के लोक-हृदय और चेतना में अनंत युगों में जो मातृभूमि गढ़ी है, वह अथर्व के पृथ्वीसूक्त से वंदेमातरम् तक एक, अखंड और अक्षत रही है। उस पर कोई खरोंच हमारे अपने अस्तित्व पर चोट है।

(*i*) अवतरण का उचित शीर्षक दीजिए। 1

(*ii*) हिंदी का भविष्य कैसा होना चाहिए? 1

(*iii*) हिंदी की व्यापकता कैसी है? 2

(*iv*) स्वतंत्रता-प्राप्ति के बाद भी हमें क्या प्राप्त नहीं हुआ और क्यों? 2

(*v*) भाषा सीखने के क्या लाभ हैं? 2

(*vi*) संत-साधकों की मर्मबानी कौन थी? 2

(*vii*) मानव-एकता की स्वानुभूति क्या है? 2

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— $1 \times 4 = 4$

जीवन में वह था एक कुसुम,
थे उस पर नित्य निछावर तुम,
वह सूख गया तो सूख गया,
मधुवन की छाती को देखो—
सूखी इसकी कितनी कलियाँ,
मुरझाई कितनी वल्लरियाँ,
जो मुरझाई फिर कहाँ खिलीं,
पर बोलो सूखे फूलों पर—
कब मधुवन शोर मचाता है?
जो बीत गई सो बात गई।
जीवन में मधु का प्याला था,
तुमने तन-मन दे डाला था।
वह टूट गया तो टूट गया
मदिरालय का आँगन देखो

Model Practice Paper.indd 5 4/27/2018 4:01:58 PM

कितने प्याले हिल जाते हैं,
गिर मिट्टी में मिल जाते हैं
जो गिरते हैं कब उठते हैं
पर बोलो टूटे प्यालों पर
कब मदिरालय पछताता है ?
जो बीत गई सो बात गई।

(क) आशय स्पष्ट कीजिए-'जो बीत गई सो बात गई।'
(ख) बीती बात भुलाने के लिए उद्यान का उदाहरण क्यों दिया गया है ?
(ग) अपने सबसे प्रिय व्यक्ति के बिछुड़ने पर भी पश्चाताप न करने के लिए कवि किसका उदाहरण दे रहा है ?
(घ) काव्यांश के आधार पर तर्कसम्मत विवेचन कीजिए कि कवि का स्वर निराशावादी है या आशावादी।

खंड—'ख'

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए : 5

(*i*) व्यायाम का महत्व
(*ii*) पराधीन सपनेहुँ सुख नाहिं
(*iii*) परीक्षा से एक घंटा पूर्व
(*iv*) मोबाइल फोन और विद्यार्थी

4. भारत सरकार के शिक्षा-मंत्रालय द्वारा नई शिक्षा नीति लागू करने पर अपने विचार व्यक्त करते हुए दैनिक हिंदुस्तान, नई दिल्ली को पत्र लिखिए। 5

अथवा

नगर में बढ़ते अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए— 1 × 4 = 4

(क) रेडियो कैसा जनसंचार माध्यम है ? इसमें किस-किस का मेल होता है ?
(ख) 'लाइव' से क्या आशय है ?
(ग) 'अंशकालिक पत्रकार' किसे कहते हैं ?
(घ) संपादकीय किसे कहते हैं ?

6. 'नशे के बढ़ते चलन' पर आलेख लिखिए। 3

अथवा

प्रेमचंद द्वारा लिखित 'गोदान' उपन्यास की समीक्षा लिखिए।

7. 'गायब होती रौनकें' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख तैयार कीजिए। 3

खंड—'ग'

8. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक काव्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2 × 3 = 6

(क) प्रातः नभ था—बहुत नीला, शंख जैसे,
भोर का नभ,
राख से लीपा हुआ चौका
(अभी गीला पड़ा है।)

बहुत काली सिल
ज़रा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने।

(*i*) प्रातःकालीन आकाश कैसा था?

(*ii*) कवि ने भोर के नभ की क्या-क्या विशेषताएँ बताई हैं?

(*iii*) उपर्युक्त काव्यांश के कवि तथा कविता का नाम बताएँ।

(ख) जाने क्या रिश्ता है, जाने क्या नाता है
जितना भी उँड़ेलता हूँ, भर-भर फिर आता है
दिल में क्या झरना है?
मीठे पानी का सोता है
भीतर वह, ऊपर तुम
मुसकाता चाँद ज्यों धरती पर रात-भर
मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा है!

(*i*) कवि किससे रिश्ते-नाते की बात कह रहा है?

(*ii*) झरने का पानी कैसा है?

(*iii*) 'भीतर वह, ऊपर तुम' से कवि का क्या आशय है?

9. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2 × 2 = 4

(क) दारिद-दसानन दबाई दुनी, दुनी, दीनबंधु
दुरित-दहन देखि तुलसी हहा करी।

(*i*) काव्यांश का शिल्प-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(*ii*) काव्यांश का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) बहुत काली सिल
ज़रा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने।

(*i*) काव्यांश का भाषागत सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(*ii*) भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 3 × 2 = 6

(*i*) 'ऊषा' कविता में सूर्योदय से ऊषा का कौन-सा जादू टूट रहा है?

(*ii*) 'लक्ष्मण मूर्छा' और 'राम का विलाप' कविता में हनुमान के अवतरण को करुण रस में वीर रस का आविर्भाव क्यों कहा गया है?

(*iii*) 'बगुलों के पंख' कविता के आधार पर आकाश में उड़ते बगुलों के सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

11. निम्नलिखित गद्यांश में से किसी एक गद्यांश आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 2 × 3 = 6

(क) कुछ देर चुप रही जीजी, फिर मठरी मेरे मुँह में डालती हुई बोलीं, ''देख बिना त्याग के दान नहीं होता। अगर तेरे पास लाखों-करोड़ों रुपए हैं और उसमें से तू दो-चार रुपए किसी को दे-दे तो यह क्या त्याग हुआ! त्याग तो वह होता है कि जो चीज़ तेरे पास भी कम है, जिसकी तुझको भी ज़रूरत है तो अपनी ज़रूरत पीछे रखकर दूसरे के कल्याण के लिए उसे दे तो त्याग तो वह होता है, दान तो वह होता है, उसी का फल मिलता है।''

(*i*) **पाठ और लेखक का नाम लिखिए।**

(*ii*) **जीजी कौन है? वह किसे समझा रही है?**

(*iii*) **वास्तविक त्याग और दान क्या है?**

(ख) किसी भी आदर्श समाज में इतनी गतिशीलता होनी चाहिए जिससे कोई भी वांछित परिवर्तन समाज के एक छोर से दूसरे तक संचारित हो सके। ऐसे समाज के बहुविधि हितों में सबका भाग होना चाहिए तथा सबको उनकी सुरक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए। सामाजिक जीवन में अबाध संपर्क के अनेक साधन एवं अवसर उपलब्ध रहने चाहिए।

(*i*) **लेखक के आदर्श समाज की कल्पना स्पष्ट कीजिए।**

(*ii*) **एक आदर्श समाज में कितनी गतिशीलता होनी चाहिए?**

(*iii*) **समाज के लोगों का क्या कर्तव्य है?**

12. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए— **3 + 3 + 3 + 1 = 10**

(*i*) जाति-प्रथा भारतीय समाज में भुखमरी एवं बेरोज़गारी का भी एक कारण कैसे बनती जा रही है? स्पष्ट कीजिए।

(*ii*) 'नमक' कहानी में भारत एवं पाक की जनता के आरोपित भेदभावों के बीच मुहब्बत का नमकीन स्वाद घुला हुआ है, कैसे?

(*iii*) चार्ली चैप्लिन सबसे ज्यादा स्वयं पर कब हँसता है?

(*iv*) पहलवान की ढोलक की आवाज़ का गाँव पर क्या प्रभाव पड़ता था?

(*v*) बाज़ार का जादू चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या-क्या असर होता है?

13. ऐन फ्रैंक की डायरी के आधार पर 'ऐन' के चरित्र की विशेषताएँ बताएँ। इनमें से किस विशेषता ने आपको प्रभावित किया और क्यों? लिखिए। **4**

अथवा

टूटे-फूटे खंडहर सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ-साथ धड़कती ज़िंदगियों के अनछुए समयों का भी दस्तावेज़ होते हैं, स्पष्ट कीजिए।

14. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए— **4 × 2 = 8**

(*i*) 'सिल्वर वैडिंग' पाठ में 'जो हुआ होगा' वाक्य की कितनी अर्थ छवियाँ आप खोज सकते हैं?

(*ii*) कविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेलेपन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया?

(*iii*) 'ऐन की डायरी' में लिखित द्वितीय विश्व-युद्ध के समय चोरी की घटनाओं का वर्णन कीजिए।

ऐम० बी० डी० मॉडल प्रश्न-पत्र 3

कक्षा—बारहवीं

विषय—हिंदी (कोर)

निर्धारित समय : तीन घंटे | अधिकतम अंक : 80

खंड—'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

वृक्षों में पीपल का विशेष महत्व है। जब इसमें नए कोमल पत्ते निकलते हैं और बिना हवा के स्पर्श के हिलते दिखाई देते हैं तो बड़े भले प्रतीत होते हैं। पलाश के फूल तो लाल अंगारों के समान दहकते प्रतीत होते हैं, जबकि पीपल के पत्तों की सुंदरता से हज़ारों पक्षी खिंचे चले आते हैं।

पीपल के पेड़ को कोई आसानी से रोक या हटा नहीं सकता। यह बिना उगाए स्वयं उग आता है। चिड़िया पीपल का फल खाकर पुराने मकानों को संधियों में पीपल का बीज बिखेर देती है तो पीपल उग जाता है। किसी-किसी पेड़ की डाली पर उसका बीज पड़ जाता है तो पीपल उग जाता है। गाँवों में लोग पीपल को काटते डरते हैं। पीपल के पत्तों पर लोग राम-नाम लिखते हैं। पीपल के पेड़ की छाया में पंचायत जुटती थी। वहाँ लोग झूठ नहीं बोल सकते थे। गाँवों में पीपल को वासुदेव भी कहते हैं।

हमारी संस्कृति में पीपल को जीवन-तरु माना गया है। यह जीवन-मरण, हर्ष-विषाद, राग-विराग सभी में भरोसा दिलाता है। एक ओर यह सत्य का भरोसा देता है कि यहाँ आकर कोई झूठ नहीं बोलेगा तो दूसरी ओर भय देता है। अदृश्य सत्ताएँ भी यहाँ हैं, वे और कुछ नहीं तुम्हारे भीतर के असत्य हैं। गाँव में यदि पीपल न हो तो उसकी शोभा घट जाती है। पीपल की छाँह में बड़ा परिवार मिलता है, पर स्वयं में वह बहुत अकेला, विरागी है। हाथी-पीलवान, बकरियों को पालने वाले इसकी पत्तियों को बेरहमी से उजाड़ते हैं। यह सबका सुख-दुःख, संपत्ति-विपत्ति देखते-देखते काठ हो गया है। यह तो बस जीवन का छंद अपनी पत्तियों की थिरकन के द्वारा गुनगुनाता रहता है। सभी मौसम को झेलना ही इसका जीवन है। पीपल को श्रीकृष्ण की साक्षात देव-प्रतिमा माना जाता है। यह भारत में बहुत पूजा जाता है। स्त्रियाँ इसकी विशेष रूप से पूजा करती हैं। यह उनकी मनौतियों को पूरा करता है। इसकी उपस्थिति में स्त्रियाँ बड़ी विनीत, बड़ी तरल और बड़ी सरल हो जाती हैं—उनकी तरलता ही संस्कृति को पोषण करती है।

(क) उपयुक्त अवतरण के लिए उचित शीर्षक लिखिए। 1

(ख) पीपल की ओर पक्षी क्यों आकृष्ट होते हैं? 1

(ग) पीपल अन्य पेड़ों पर कैसे उग जाते हैं? 2

(घ) पीपल के बारे में लोगों की क्या धारणा है? 2

(ङ) हमारी संस्कृति में पीपल का क्या महत्व है? 2

(च) पीपल के प्रति महिलाओं के क्या भाव हैं? 2

(छ) 'शोभा' और 'पानी' के एक-एक पर्यायवाची शब्द लिखिए। 2

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— $1 \times 4 = 4$

उदासी को
घनी अँधेरी रात में
आते रहे डरावने सपने
जीवन तार-तार टूटने लगा
बंद गलियों में
रास्ता ढूँढ़ने लगा
वह हताश होकर थकने लगा

उसने आँखें बंद करके
आकाश में चमकते
तारों को देखा
'अँधेरे' में ज़्यादा चमकदार थे
टिमटिम करते नन्हें तारें
मूक भाषा में
संवाद करते नन्हे तारे।

Model Practice Paper.indd 9 4/27/2018 4:01:58 PM

रोशनी की पतली-सी लकीर
आकाश से उतरकर
धरती पर आई
और ऊर्जा बनकर
जीवन के कण-कण में समाई
बोझिल ज़िंदगी का
रेशा-रेशा दमक उठा
चारों दिशाओं में
सुरीली सरगम बजने लगी
कोई है अनजान
अनचीन्हा जो जाता है
हर पल अकेले
आदमी के साथ
कौन? मालूम नहीं!

(क) जीवन तार-तार टूटने क्यों लगा?
(ख) तारों की क्या विशेषताएँ हैं?
(ग) जीवन को ऊर्जा किससे और कैसे मिली?
(घ) 'सुरीली सरगम' बजने का क्या अभिप्राय है?

खंड—'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए— 5

(*i*) मधुर वाणी
(*ii*) मेरे जीवन का लक्ष्य
(*iii*) प्रकृति का वरदान : पेड़-पौधे
(*iv*) भ्रूण हत्या : एक जघन्य अपराध

4. पुलिस अधीक्षक, भोपाल की ओर से थाना इंचार्ज, रेलवे रोड, भोपाल को क्षेत्र में बढ़ रहे अपराधों को रोकने के लिए पत्र लिखिए। 5

अथवा

आम चुनावों में भ्रष्टाचार की शिकायत करते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को लिखिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो वाक्यों में दीजिए— 1 × 4 = 4

(क) मुद्रित माध्यमों की दो प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।
(ख) दूरदर्शन जनसंचार का कैसा माध्यम है?
(ग) बीट रिपोर्टिंग क्या होती है?
(घ) साप्ताहिक पत्रिका सप्ताह में कितनी बार प्रकाशित होती है?
(ङ) मुद्रण का प्रारंभ कहाँ से माना जाता है?

6. मुंबई में वर्षा से हुई तबाही पर आलेख लिखिए। 3

अथवा

'भारत की खोज' पुस्तक की समीक्षा लिखिए।

7. 'मेरे स्कूल का माली' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख तैयार कीजिए। 3

खंड—'ग'

8. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक काव्यांश के नीचे दिए हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2 × 3 = 6

(क) मैं स्नेह-सुरा का पान किया करता हूँ,
मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ,

जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते,
मैं अपने मन का गान किया करता हूँ।

(*i*) कवि क्या पान करने की बात कर रहा है?

(*ii*) कवि को संसार की चिंता क्यों नहीं है?

(*iii*) कवि किसका और क्यों गान करता है?

(ख) हम हों या किस्मत हो हमारी
दोनों को इक ही काम मिला
किस्मत हमको रो लेवे है
हम किस्मत को रो लें हैं।

(*i*) कवि का दोनों से क्या अभिप्राय है?

(*ii*) कवि तथा किस्मत को क्या काम मिलता है?

(*iii*) कविता का नाम लिखिए।

9. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2 × 2 = 4

(क) सो अनुराग कहाँ अब भाई। उठहु न सुनि मम बच बिकलाई॥
जौं जनतेऊँ बन बंधु बिछोहू। पितु वचन मनतेऊँ नहिं ओहू॥

(*i*) भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए—पितु वचन मनतेऊँ नहिं ओहू॥

(*ii*) इस काव्यांश का शिल्प-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) हो जाए न पथ में रात कहीं,
मंज़िल भी तो है दूर नहीं—
यह सोच थका दिन का पंथी भी जल्दी-जल्दी चलता है।
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है।

(*i*) यहाँ कवि किस मंज़िल की ओर संकेत करता है?

(*ii*) इस काव्यांश का शिल्प-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए— 3 × 2 = 6

(*i*) बच्चे किस बात की आशा से नीड़ों से झाँक रहे होंगे?

(*ii*) 'परदे पर वक्त की कीमत है' कहकर कवि ने पूरे साक्षात्कार के प्रति अपना नज़रिया किस रूप में रखा है?

(*iii*) 'अस्थिर सुख पर दुख की छाया' पंक्ति में दुख की छाया किसे कहा गया है और क्यों?

11. निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2 × 3 = 6

बाज़ार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करता है। वह रूप का जादू है। पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर चलता है वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जेब भरी हो, और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है। जेब खाली पर मन भरा न हो तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली है तो बाज़ार की अनेकानेक चीज़ों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा। कहीं हुई उस वक्त जेब भरी तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है!

(*i*) बाज़ार में कौन-सा जादू है?

(*ii*) लेखक ने बाज़ार के जादू की तुलना किससे की है और क्यों?

(*iii*) मन कब हमारी बात नहीं मानता?

अथवा

देश की कितनी क्षति होती है इस तरह के अंधविश्वासों से। कौन कहता है इन्हें इंद्र की सेना? अगर इंद्र महाराज से ये पानी दिलवा सकते हैं तो खुद अपने लिए पानी क्यों नहीं माँग लेते? क्यों मुहल्ले-भर का पानी नष्ट करवाते घूमते हैं? नहीं, यह सब पाखंड है, अंधविश्वास है। ऐसे ही अंधविश्वासों के कारण हम अंग्रेज़ों से पिछड़ गए और गुलाम बन गए।

(*i*) इस गद्यांश में लेखक किसके प्रति व्यंग्य करता है और क्यों?

(*ii*) इंद्र की सेना क्या कार्य करती है?

(*iii*) लेखक ने यहाँ कौन-से अंधविश्वासों की ओर संकेत किया है?

12. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए— **3 + 3 + 3 + 1 = 10**

(*i*) बाज़ारूपन से क्या तात्पर्य है? किस प्रकार के व्यक्ति बाज़ार को सार्थकता प्रदान करते हैं अथवा बाज़ार की सार्थकता किसमें है?

(*ii*) लेखक ने चार्ली का भारतीयकरण किसे कहा और क्यों? गांधी और नेहरू ने भी उनका सान्निध्य क्यों चाहा?

(*iii*) 'नमक' कहानी में भारत एवं पाक की जनता के आरोपित भेदभावों के बीच मुहब्बत का नमकीन स्वाद घुला हुआ है। कैसे?

(*iv*) लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत की तरह क्यों माना है?

(*v*) 'काले मेघा पानी दे' पाठ में जीजी ने किन तर्कों से लेखक को प्रभावित किया था?

13. नदी, कुएँ, स्नानघर और बेजोड़ निकासी व्यवस्था को देखते हुए लेखक पाठकों से प्रश्न पूछता है कि क्या हम सिंधु घाटी सभ्यता को जल-संस्कृति कह सकते हैं? आपका जवाब लेखक के पक्ष में है या विपक्ष में? तर्क दें। **4**

अथवा

ऐन की डायरी अगर एक ऐतिहासिक दौर का जीवंत दस्तावेज है, तो साथ ही उसके निजी सुख-दुख और भावनात्मक उथल-पुथल का भी है। इन पृष्ठों में दोनों में फ़र्क मिट गया है। इस कथन पर विचार करते हुए अपनी सहमति या असहमति तर्कपूर्वक व्यक्त करें।

14. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए— **4 × 2 = 8**

(*i*) यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल जाने में सफल होती है, लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं। ऐसा क्यों?

(*ii*) आपके ख्याल से पढ़ाई-लिखाई के संबंध में दत्ताजी राव का रवैया सही था या लेखक के पिता का? तर्क-सहित उत्तर दें।

(*iii*) सिंधु सभ्यता साधन-संपन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था। कैसे?